Ogilvy Public Relations

impact
www.impactmeasurement.co.in

The Economic Times (Hindi)

Page No: 4
Page Name: Share Market
Size: 226 sq. cm
AVE: INR 31,630

Type: Newspaper
Language: Hindi
Circulation: 10,024
Frequency: Daily

Delhi - Jul 05, 2016

News monitored for: NSDC (Old)
Title: CPSU give more salary than private firms for entry level job

अनुभव का लाभ IIM-A की स्टडी के मुताबिक, एक्सपीरियंस बढ़ने के साथ प्राइवेट कंपनियों में सैलरी PSU से ज्यादा हो जाती है

एंट्री लेवल जॉब के लिए CPSU देती हैं प्राइवेट फर्मों से अधिक सैलरी

[एजेंसी | अहमदाबाद]

सरकारी और सेंट्रल पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स (CPSUs) में एंट्री लेवल जॉब के लिए प्राइवेट कंपनियों के मुकाबले ज्यादा सैलरी मिलती है। हालांकि, एक्सपीरियंस बढ़ने के साथ प्राइवेट कंपनियों में सैलरी बढ़ जाती है। सातवें वेतन आयोग के लिए किए आईआईएम-अहमदाबाद के एक सर्वे से यह जानकारी मिली है।

पे कमीशन के लिए यह स्टडी आईआईएम-A ने की, ताकि आयोग सैलरी में बदलाव करके सरकारी नौकरियों को आकर्षक बना सके।

स्टडी में गवर्नमेंट सेक्टर, CPSUs और प्राइवेट सेक्टर के एंट्री लेवल, तीसरे साल, पांचवें साल, 10वें साल, 15वें साल, 20वें साल और 25वें साल में जॉब की तुलना की गई है। आईआईएम-A ने यह रिपोर्ट पिछले साल अक्टूबर में सातवें वेतन आयोग को सौंपी थी। सर्वे में पता चला कि एंट्री लेवल पर सरकारी और CPSUs, प्राइवेट कंपनियों से अधिक वेतन देती हैं। कई नौकरियों में सैलरी का फर्क बहुत कम था।

स्टडी के मुताबिक, एक्सपीरियंस बढ़ने के साथ प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों में सैलरी ज्यादा हो जाती है। स्टडी में नर्स, डॉक्टर्स, फिजियोथेरेपिस्ट्स, डायटिशियन, लैब टेक्निशियन, स्कूल टीचर, स्कूल और कॉलेज के प्रिंसिपल्स, साइंटिस्ट्स, टेक्निकल स्टाफ, इंजीनियर्स, क्लर्क्स, सॉफ्टवेयर डिवेलपर्स, एकाउंट ऑफिसर, ड्राइवर्स, गार्डनर्स सहित कई दूसरी नौकरियों के सैलरी पैटर्न का जायजा लिया गया है। स्टडी के मुताबिक, 'हाइली स्किल्ड जॉब के लिए सरकारी कंपनियों की सैलरी प्राइवेट कंपनियों के मुकाबले कम है।' मिसाल के तौर पर, एंट्री लेवल नर्स की सैलरी सरकारी अस्पतालों में प्राइवेट अस्पतालों के मुकाबले ज्यादा है। मिड-लेवल करियर में यह फर्क खत्म हो जाता है।

पे कमीशन के लिए हुई IIM-A की स्टडी से पता चला कि MBBS डॉक्टर्स को एंट्री लेवल पर प्राइवेट और सरकारी अस्पतालों के मुकाबले CPSUs ज्यादा सैलरी देती हैं

वहीं, एमबीबीएस डॉक्टर्स के मामले में एंट्री लेवल पर प्राइवेट और सरकारी अस्पतालों के मुकाबले CPSUs ज्यादा सैलरी देती हैं।

एक्सपीरियंस बढ़ने के साथ इनके बीच सैलरी का फर्क भी बढ़ता जाता है। स्पेशलाइज्ड डॉक्टर्स की बात करें तो एंट्री लेवल पर CPSUs सबसे ज्यादा सैलरी देती हैं लेकिन तीन साल के अनुभव के बाद प्राइवेट कंपनियां ज्यादा पैसा देती हैं और आगे ऐसा ही जारी रहता है। एंट्री लेवल से लेकर मिड लेवल करियर तक सरकारी कंपनियां साइंटिस्ट्स को सबसे ज्यादा वेतन देती हैं। हालांकि, प्राइवेट कंपनियां शुरुआती लेवल में साइंटिस्ट्स को कम पैसे देती हैं, क्योंकि उनकी काबिलियत का उन्हें अंदाजा नहीं होता है। अनुभव बढ़ने के साथ ही प्राइवेट कंपनियां साइंटिस्ट्स को मोटी सैलरी देती हैं।

मैनेजमेंट संस्थान IIM-A की स्टडी में टेक्निशियन, ऑपरेशन थिएटर असिस्टेंट और रेडियोग्राफर्स का उदाहरण दिया गया है। सैलरी तय करने में पांच अहम चीजें उभर कर सामने आईं। यह करियर प्रोग्रेस, जॉब के दौरान पोटेंशियल लर्निंग, लेबर मार्केट में डिमांड के मुकाबले सप्लाई, बेहतरीन एकेडेमिक परफॉर्मेंस के साथ टॉप टैलेंट अट्रैक्ट करने की जरूरत और काबिल लोगों को बनाए रखने की जरूरत पर निर्भर करती है।

© The Economic Times (Hindi)